

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 80

[Minimum Pass Marks : 29

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Answer all questions. Each questions carry equal marks.

1. शिक्षा दर्शन का अर्थ, क्षेत्र और स्वरूप को स्पष्ट कीजिए? एक अध्यापक को इनका अध्ययन करना क्यों आवश्यक है।

Explain meaning scope and nature of education philosophy. Why it is necessary for a teacher to study it.

अथवा/OR

तत्त्व विज्ञान से आप क्या समझते हैं उसकी विशेषताओं और विशिष्ट सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

What do you mean by Qutology? Discuss the characteristics and principles of Qutology.

2. ज्ञान संबंधी सिद्धांतों का संक्षिप्त विवरण दीजिए? बुद्धिवाद एवं अनुभव जन्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Give short description principles of epistemology. Explain the difference between rationalism and empiricism.

अथवा/OR

श्रीमद्भगवद्गीता की तत्त्वमीमांसा को समझाये ? कर्मयोग, ज्ञानयोग तथा भक्तियोग का मूल्य निर्धारण में क्या योगदान है।

Explain the metaphysics of Shrimadbhagwat Geeta. What is the role of Karmayog, Gyanyog, Bhaktiyog for value formation.

3. “वेदांत दर्शन में सभी दर्शनों का समन्वय है। इससे बड़ा और मूल्यवान कोई अन्य दर्शन नहीं” इस कथन की पुष्टि कीजिए?

All school of philosophy are coordinated in vedant darshan no other school of philosophy is more valuable then it. Confirm this statement.

अथवा/OR

अरविंदो के सर्वांग योग दर्शन की विस्तृत व्याख्या कीजिए?

Explain in detail the Sarvang Yog Dharshan of Arvindo.

4. प्रयोजन वाद दर्शन की व्याख्या कीजिए।

Explain the philosophy of Pragmatism.

अथवा/OR

पाउलो फर्रेरो के दार्शनिक विचारों का शिक्षा में क्या योगदान है वर्णन करें।

What is role of philosophical thought of Paulo Friere in Education.

5. शिक्षा का विकास से गहरा संबंध है। व्याख्या कीजिए।

Education has deep relation with development. Discuss.

अथवा/OR

शिक्षा का प्रबंधन एवं आर्थिकी में क्या संबंध है। वर्णन करें।

What is the relationship between education and economics & management? Discuss.